

भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 734

23 जुलाई, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सातवां अंतराष्ट्रीय योग दिवस

734. श्री धनुष एम. कुमार:

श्री रेबती त्रिपुरा:

श्री विजय कुमार दुबे:

श्री सी.एन.अन्नादुरई:

श्री गजानन कार्तिकर:

श्री जी. सेल्वम:

श्री बी.वाई.राघवेन्द्र:

श्री गौतम सिगार्माण पोन्:

श्री अरविंद सावंत:

क्या आयुष मंत्री यह बताने का कृपा करगे कि:

- (क) क्या हाल ही में देश में सातवां अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और यदि हां, तो इसके अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) योग दिवस के दौरान शुरू किए गए नमस्ते योग एप का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने कोविड-19 से उबरने के बाद लोगों में योग के उपयोग को बढ़ावा देने और कोविड-19 से लड़ने के लिए प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार ने योग में अनुसंधान के लिए निधियां आवंटित की हैं/आवंटित करने का प्रस्ताव किया है और यदि हां, तो आवंटित राशि और प्राप्त उपलब्धियां का ब्यौरा क्या है;
- (ङ.) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी वचुअल/ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया गया और इससे कितने लोग लाभान्वित हुए; और
- (च) क्या सरकार का देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में योग को बढ़ावा देने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष राज्य मंत्री (डॉ. मंजपरा महेन्द्रभाई)

(क): जी हाँ। आयुष मंत्रालय द्वारा अंतराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2021 को कोविड से संबंधित प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए वचुअल माध्यम से बेहतर तरीके से जोड़कर मनाया गया। आईडीवाई 2021 के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए कार्यक्रमों में दिए गए हैं।

21 जून, 2021 को माननीय प्रधान मंत्री और माननीय आयुष राज्य मंत्री द्वारा एक राष्ट्रीय नेतृत्व कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसके बाद 45 मिनट का सीवाईपी सत्र हुआ जिसे दूरदर्शन नेटवर्क पर प्रसारित किया गया।

(ख): मंत्रालय द्वारा 11.06.2021 को नमस्ते योग मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया गया था। नमस्ते योग ऐप एक ऐसा स्वास्थ्य समाधान है जो लोगों को योग से संबंधित जानकारी, योग कार्यक्रमों और योग कदमों को अपनी उंगलियों से एक्सेस करने में सक्षम बनाता है। ऐप स्टेप काउंट और उसके अनुसार खच हुई कैलोरियों के रूप में किसी को शारीरिक गतिविधि के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है। ऐप योग प्रशिक्षकों और कदमों के लिए फायदेमंद है क्योंकि यह उन्हें खुद को पंजीकृत करने और अपने भौगोलिक स्थानों के माध्यम से ध्यान आकर्षित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

(ग): आयुष मंत्रालय ने अपने तीन स्वायत्त निकायों अर्थात् मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली; केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से कोविड के बाद स्वास्थ्य लाभ में और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में योग के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इन निकायों द्वारा उठाए गए कदम **संलग्नक-II** में दिए गए हैं। इसके अलावा, मंत्रालय ने कोविड-19 के संदभगत योगाभ्यासियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

(घ): आयुष मंत्रालय ने अपनी उत्कृष्ट केन्द्रों को केन्द्रीय क्षेत्रक योजना के तहत एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र (सीआईएमआर), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस), नई दिल्ली को कुल 9,64,11,834 रुपये का आवंटन किया है। परियोजना में योग एवं आयुर्वेद पद्धतियों में अनुसंधान शामिल है।

इसके अलावा, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली योग और प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान करने के लिए सर्वाधिक निकाय है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए सीसीआरवाईएन को कुल 59.7 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सीसीआरवाईएन निम्नलिखित कार्यक्रमों का कार्यान्वित कर रहा है:

- i. झज्जर, हरियाणा और नागमंगला, कर्नाटक में दो **स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान** स्थापित किए गए हैं। इन दोनों पीजीआईवाईएनईआर में ओपीडी सुविधा और योग कक्षाएं शुरू हो गई हैं।
- ii. विभिन्न उपचारों में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को कारगरता स्थापित करने के लिए गहन अनुसंधान अध्ययन करने हेतु ओडिशा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, केरल, झारखंड और छत्तीसगढ़ में 100 बिस्तरों को अस्पताल सुविधाओं के साथ **केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (सीआरआईवाईएन)**
- iii. **सहयोगात्मक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी)** : परिषद, अग्रणी चिकित्सा और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थाओं के साथ सहयोगपूर्ण अनुसंधान शुरू करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान केन्द्रों (सीआरसी) की स्थापना का एक योजना चला रहा है। अभी तक, ऐसे चार केन्द्र कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएनएस), बंगलूर, रक्षा शरीर-क्रियाविज्ञान तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डीआईपीएस), दिल्ली, संस्कृत प्रतिष्ठान, मैसूर और कैवल्यधाम योग अनुसंधान केन्द्र, लोनावाला स्थित प्रत्येक केन्द्र सहयोगपूर्ण अनुसंधान कर रहा है।

(इ): महामारी का स्थिति के चलते, कक्षाएं अधिकतर ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थीं, इसलिए उनसे लाभान्वित हुए व्यक्तियों की संख्या राज्य-वार तैयार नहीं है।

सीसीआरवाईएन ने विभिन्न विषयों पर कुल 130 ऑनलाइन योग कक्षाएं आयोजित की हैं। एमडीएनआईवाई ने कोविड महामारी के दौरान मई, 2020 से 126 ऑनलाइन योग उपचार कक्षाएं आयोजित की हैं।

(घ): चूंकि जन-स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए देश-भर के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में योग को बढ़ावा देना संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के दायरे में आता है।

तथापि, आयुष मंत्रालय अपने तीन स्वायत्त निकायों नामतः मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली; केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से योग और प्राकृतिक चिकित्सा उपचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाता है।

उपरोक्त के अलावा, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के तहत, आयुष वेलनेस केंद्रों की स्थापना के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योग जैसे वेलनेस केंद्रों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की इच्छा पर निर्भर करता है।

- i. आयुष मंत्रालय का वेबसाइट, योग पोर्टल सहित मौजूदा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और डिजिटल एसेट्स का उपयोग करके डिजिटल पहला दृष्टिकोण।
- ii. ज्यादा से ज्यादा दशकों तक पहुंचने के लिए कू, जोश और बोलो इंडिया जैसे विभिन्न नए प्लेटफॉर्म से जुड़े।
- iii. योग करते हुए लोकप्रिय टून्स के लघु वीडियो और प्रचार सामग्री जारी करने के लिए निकलोरिडियन के साथ भागीदारों को।
- iv. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के समन्वय से myYoga एप्लिकेशन का विमोचन किया।
- v. विभिन्न ऑनलाइन कायकलापों के आयोजन में MyGov प्लेटफॉर्म के माध्यम से जुड़ाव।
- vi. आईडीवाई हडबुक तैयार की जिसमें प्रचार सामग्री और सूचनाओं का समेकित भंडार था जिसका उपयोग सभी कर सकते थे। डाक विभाग ने भारत में 811 से अधिक डाकघरों में यादगार विशेष काट-चिन्ह शुरू किए।
- vii. ग्रामीण क्षेत्रों में योग का पहुंच को बढ़ाने के लिए 30,000 सामान्य सेवा कर्तों (सीएससी)को शामिल किया।
- viii. मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के माध्यम से 15 घंटे का एक छोटा सीवाईपी अभिमूल्यान कार्यक्रम, जो योग का बुनियादी परिचय प्रदान करता है और एक सीवाईपी स्वयंसेवी पाठ्यक्रम शुरू किया गया।
- ix. अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आईडीवाई संबंधी कायकलापों के प्रचार-प्रसार के लिए 125 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को लगाया गया। कार्यक्रम से अनुमानतः 1.20 करोड़ लोग जुड़े।

एमडीएनआईवाई:

- कोविड का पहला लहर के दौरान एमडीएनआईवाई ने कोविड रोगियों और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए योग सत्र आयोजित करने के लिए दिल्ली में कोविड/क्वैरंटान केंद्रों में 32 योग प्रशिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया।
- कोविड का दूसरा लहर के दौरान, एमडीएनआईवाई ने दिल्ली में 11 योग प्रशिक्षकों को कोविड मरीजों/स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए ऑनलाइन/ऑफलाइन योग सत्र आयोजित करने के लिए नियुक्त किया।
- इसके अलावा, संस्थान ने मई, 2020 से कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन योग थेरेपी कक्षाएं आयोजित की, जिसमें लगभग 126 ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की गईं हैं।

सीसीआरवाईएन:

- घर पर आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों के लिए योग।
- ओपीडी रोगियों के लिए ऑनलाइन योग कक्षाएं।
- एम्स, झज्जर, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी), दिल्ली में कोविड के हल्के से मध्यम लक्षण वाले रोगियों के लिए पोस्ट कोविड क्लिनिक शुरू किया गया।

एनआईएन:

एनआईएन ने नायडू अस्पताल, पुणे के साथ सहयोग किया और एक पोस्ट कोविड ओपीडी शुरू की, जहां एक चिकित्सीय उपाय के रूप में योग का उपयोग किया गया और लोगों को संक्रमण के बाद उनका रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न योगाभ्यास सिखाए गए। एनआईएन ने लोगों को संक्रमण के बाद के दुष्प्रभावों से उबरने में मदद करने के लिए दो स्थानों पर पोस्ट कोविड पुनर्वास केंद्र भी स्थापित किया है।